

KS-SCH/1L/2.30

The House reassembled at thirty minutes past two of the clock,

MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.

SHRI ANAND SHARMA: Mr. Deputy Chairman, Sir.

...(Interruptions)...

श्री नरेश अग्रवाल : सर, मेरा एक प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What is your point of order?

...(Interruptions)...

श्री नरेश अग्रवाल : मेरा कहना है कि आर्टिकल 80-81 ...(व्यवधान)...

आर्टिकल 80 में ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I am going to listen to your point of order, but I have a question. This is Private Members' Business time. So, your point of order should relate to Private Members' Business.

SHRI NARESH AGRAWAL: No, Sir; it does not relate to Private Members' Business. It relates to all the MPs. ...(Interruptions)...

SHRI ANAND SHARMA: Sir, he should be given an opportunity.

...(Interruptions)...

श्री नरेश अग्रवाल : श्रीमन्, मैंने यह विषय इसलिए उठाया है कि एमपी बनने के लिए संविधान में कुछ अर्हताएं दी हुई हैं। अगर हम उस अर्हता का पालन करते

हैं, तभी सदन के सदस्य बनते हैं। यहां प्रश्न यह है कि क्या हमें विशेष दर्जा प्राप्त है या नहीं है? वैसे हम एक सामान्य नागरिक माने जाते हैं, लेकिन एमपी होने के नाते हमें कुछ सुविधाएं दी जाती हैं, लेकिन समाज में हमें समान दर्जा ही प्राप्त होता है।

श्रीमन्, दो-तीन दिन पहले माननीय सर्वोच्च न्यायालय में सरकार ने एक एफिडेविट दाखिल किया...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: So, what is your point of order?

श्री नरेश अग्रवाल : श्रीमन्, मैं अभी उसी पर आ रहा हूं। यह प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है।...(व्यवधान)....,उन्होंने कहा कि एमपी/एमएलएज़ पर जो मुकदमे कायम हैं, उनको विशेष अदालत में सुना जाए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. It has no relevance here. ... (Interruptions)... It has no relevance here. ... (Interruptions)...

श्री नरेश अग्रवाल : सर, यह हम सबसे जुड़ा हुआ है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It has no relevance in the Private Members' Business. ... (Interruptions)...

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विजय गोयल) : यह मामला आप मंडे को उठाइएगा, अभी तो प्राइवेट मेम्बर्स बिल का टाइम है।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री (श्री थावर चन्द गहलोत) : अभी तो यह मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है।...(व्यवधान)... इस विषय पर अगर सुप्रीम

कोर्ट में सरकार ने कोई जानकारी दी है, तो सुप्रीम कोर्ट की प्रोसीडिंग्स पर यहां चर्चा नहीं हो सकती है।...(व्यवधान)...

नेता विरोधी दल (श्री गुलाम नबी आज़ाद) : सबसे ज्यादा केसेज़ आप लोगों पर ही हैं।...(व्यवधान)...

قائد حزب اختلاف (جناب غلام نبی آزاد): سب سے زیادہ کیسز آپ لوگوں پر ہی ہیں۔۔۔(مداخلت)۔۔۔

श्री थावर चन्द गहलोत : सुप्रीम कोर्ट की प्रोसीडिंग्स पर यहां चर्चा नहीं हो सकती है, यह नियम है।...(व्यवधान)...

श्री नरेश अग्रवाल : मेरा कहना यह है कि हम राजनीतिक व्यक्ति हैं।...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: My point is only this. You cannot take it up during Private Members' Business. That is all. ...(Interruptions)...

श्री नरेश अग्रवाल : नहीं, यह बात कैसे हो सकती है? ...(व्यवधान).... हम प्वाइंट ऑफ ऑर्डर कभी भी उठा सकते हैं।...(व्यवधान).... इससे प्राइवेट मेम्बर्स बिल का कोई मतलब नहीं है।...(व्यवधान)....

श्री विजय गोयल : नरेश जी, वह प्वाइंट ऑफ ऑर्डर होना भी तो चाहिए।...(व्यवधान)....

श्री नरेश अग्रवाल : यह प्वाइंट ऑफ ऑर्डर ही है।...(व्यवधान)....

श्री विजय गोयल : नहीं, नहीं, यह प्वाइंट ऑफ ऑर्डर कहां से है?
...(व्यवधान)...

श्री नरेश अग्रवाल : क्या अब यह बीजेपी को सिखाना पड़ेगा? कायदे से तो विजय गोयल जी मंत्री रह ही नहीं सकते। इनको राज्य मंत्री के इंडिपेंडेंट चार्ज से हटा कर राज्य मंत्री बना दिया गया, कोई ओथ नहीं दिलवाई गई।...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : नरेश जी, अभी आप बैठ जाइए।...(व्यवधान).... आपने अपनी बात कह दी है। ...(व्यवधान)...

श्री नरेश अग्रवाल : क्या बिना ओथ दिलवाए एक राज्य मंत्री, स्वतंत्र प्रभार का पोर्टफोलियो बदला जा सकता है? ...(व्यवधान).... यह प्रश्न भी उठ सकता है।...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : अभी आप बैठिए।...(व्यवधान).... अभी बैठिए।...(व्यवधान)....

श्री नरेश अग्रवाल : श्रीमन्, पहले मुझे अपनी बात करने दीजिए।...(व्यवधान).... मेरा कहना यह है कि इससे पूरे देश में यह मेसेज गया है कि हम लोग अपराधी हैं। एमपी/ एमएलएज़ के लिए विशेष अदालत गठित की जा रही है। आतंकवादी सात-सात, दस-दस सालों तक जेलों में दामाद की तरह पाले जाते हैं, उनके लिए तो विशेष अदालत नहीं है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nareshji, can you discuss a decision of the Supreme Court? ...(Interruptions)... Can you debate that? ...(Interruptions)...

श्री नरेश अग्रवाल : जी सर, डिस्कशन कर सकते हैं। इस सदन में डिस्कशन हो सकता है।...(व्यवधान)... यह कहां लिखा हुआ है कि इस विषय पर इस सदन में डिस्कशन नहीं हो सकता?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. You cannot criticize the Supreme Court here. ...(Interruptions)... You cannot criticize the judiciary here. ...(Interruptions)...

श्री नरेश अग्रवाल : मैं सुप्रीम कोर्ट को नहीं, गवर्नमेंट को कह रहा हूं। मैंने सुप्रीम कोर्ट को क्रिटिसाइज़ नहीं किया है।...(व्यवधान)... माननीय सर्वोच्च न्यायालय के खिलाफ मैंने एक शब्द भी यहां नहीं कहा है।...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Then you may raise it on some other occasion, not now. ...(Interruptions)..

श्री नरेश अग्रवाल : एफिडेविट तो सरकार ने दिया है। क्या सरकार यह एफिडेविट दे सकती है? ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : आप इसे किसी और टाइम पर रेज़ करिए, अभी तो प्राइवेट मेम्बर्स बिल का टाइम है।...(व्यवधान)...

SHRI ANAND SHARMA: Mr. Deputy Chairman, Sir...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Is it the same thing?

SHRI ANAND SHARMA: No, Sir. I wish to be educated. He has raised a point of order, and whatever you decide would be final. But, with due respect, is it there in the rules as to at what time a point of order could be raised? ...(Interruptions)... Sir, a point of order is a point of order.

(CONTD. BY RSS/1M)

RSS/RCM/1M/2.35

SHRI ANAND SHARMA (CONTD.): Second thing is, it is not only Article 13, there are very many eminent lawyers sitting in this House, and those who have understanding of the Constitution, finally, to the hon. Minister also, with respect, I would say, this is the Book, and we can discuss anything what is there in the Constitution. Sir, I would like to draw your attention to Article 13.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Is this your point of order?

SHRI ANAND SHARMA: Yes, Sir. It relates to the Fundamental Right because the Government has taken a position, not the Supreme Court. It says: "All laws in force in the territory of India." This is Article 13. I am referring to Article 13 and Article 14, Sir. And Article 14 is,

Uncorrected/ Not for Publication-15.12.2017

Equality before law, which says: "The State shall not deny to any person equality before the law or the equal protection of the laws within the territory of India." Now, this is the basic structure of the Constitution. Can the Government go against the basic structure of the Constitution?

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विजय गोयल): सर, इसमें प्वाइंट ऑफ ऑर्डर क्या है? ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Tell me what your point of order is... (Interruptions)...

SHRI ANAND SHARMA: How has the Government taken this position? He is right in raising this.

श्री विजय गोयल: सर, इसमें प्वाइंट ऑफ ऑर्डर क्या है? यहां प्वाइंट ऑफ ऑर्डर डिस्कस होना है। ...(व्यवधान)...

SHRI ANAND SHARMA: Does this matter or not? Why is this Government assaulting the Fundamental Rights of the citizens? So, I think, Shri Naresh Agrawal should be heard with respect. He has raised a very important matter.

श्री नरेश अग्रवाल: सर, क्या अब सरकार तय करेगी कि प्वाइंट ऑफ ऑर्डर क्या है? ...(व्यवधान)...

Uncorrected/ Not for Publication - 15.12.2017

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, it being Private Members' Business time, I am not allowing it. If you want, you can raise it later. I have not given any ruling. I have not ruled this out...(Interruptions)...

SHRI ANAND SHARMA: That I am not commenting. I have said that that is his point of order. As a colleague, I agreed with him.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Same is applicable to you also.

SHRI ANAND SHARMA: I am on a different issue. Sir, the Leader of the Opposition, myself, and other leaders in the Opposition, have given a notice, which unfortunately was not accepted. Sir, we function in a democracy, and it is immaterial whether we are on this side or on the other side, whether we are in the Government, or, whether we are in the Opposition, all of us love our country; we are patriotic; we do our duties as elected representatives, and also, we have taken oath under the Constitution.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What is the point?

SHRI ANAND SHARMA: If an insidious reference is made, accusations are made against the former Prime Minister of the country... (Interruptions)...

Uncorrected/ Not for Publication -15.12.2017

PRIVATE MEMBERS' LEGISLATIVE BUSINESS

BILLS INTRODUCED

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. You cannot raise it now. I am going to the Private Members' Business... (Interruptions)... Number one, The Labour (Welfare and Rehabilitation) Bill, 2017-- Shri Vivek Gupta. The hon. Member is not present... (Interruptions)... Now, I cannot allow you. Now, the Women (Empowerment and Welfare) Bill, 2017--Shri Vivek Gupta- not present. I cannot allow it now. This is Private Members' Business... (Interruptions)... The Urban Areas (Equitable Development and Regulation) Bill, 2017. Shri Vivek Gupta- not present... (Interruptions)... The Rights of Persons Affected by Leprosy and Members of their Family (Protection Against Discrimination and Guarantee of Social Welfare) Bill, 2017. Shri K.T.S. Tulsi-- not present... (Interruptions)... The Educational Innovations Commission Bill, 2017. Dr. Vinay P. Sahasrabuddhe. Yes, you move the Bill.

THE EDUCATIONAL INNOVATIONS COMMISSION BILL, 2017

DR. VINAY P. SAHASRABUDDHE (MAHARASHTRA): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill to promote conception,

Uncorrected/ Not for Publication -15.12.2017

experimentation and implementation of educational innovations in the country by establishing the Educational Innovations Commission and for matters connected therewith and incidental thereto...(Interruptions)...

The question was put and the motion was adopted.

DR. VINAY P. SAHASRABUDDHE: Sir, I introduce the Bill.

(Ends)

Uncorrected/ Not for Publication -15.12.2017

**THE CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL, 2017 (INSERTION
OF NEW ARTICLE 21B)**

SHRI V. VIJAYASAI REDDY (ANDHRA PRADESH): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India. ...(Interruptions)...

The question was put and the motion was adopted.

SHRI V. VIJAYASAI REDDY: Sir, I introduce the Bill.

(Ends)

(followed by KGG/1N)

PSV-KGG/1N/2.40

THE PREVENTION OF ENFORCED DISAPPEARANCE BILL, 2017

SHRI V. VIJAYASAI REDDY (ANDHRA PRADESH): Sir, I move for leave to introduce a Bill to provide punishment for enforced disappearance of any person by public servants or any person subjecting a person to an enforced disappearance with the consent or acquiescence of any public servant and for matters connected therewith and incidental thereto.

Uncorrected/ Not for Publication -15.12.2017

The question was put and the motion was adopted.

SHRI V. VIJAYASAI REDDY: Sir, I introduce the Bill.

(Ends)

THE PREVENTION OF TORTURE BILL, 2017

SHRI V. VIJAYASAI REDDY (ANDHRA PRADESH): Sir, I move for leave to introduce a Bill to provide punishment for torture inflicted by public servants or any person inflicting torture with the consent or acquiescence of any public servant and for matters connected therewith and incidental thereto.

The question was put and the motion was adopted.

SHRI V. VIJAYASAI REDDY: Sir, I introduce the Bill.

(Ends)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shri Rajkumar Dhoot to introduce the Compulsory Protection of Witnesses and Victims of Crimes Bill, 2017; he is absent. He had to introduce the Heritage Cities and Sites (Conservation and Development) Bill, 2017, and the Environment Protection Bill, 2017.

Uncorrected/ Not for Publication-15.12.2017

THE FLOOD AND DROUGHT CONTROL BILL, 2017

DR. T. SUBBARAMI REDDY (ANDHRA PRADESH): Sir, I move for leave to introduce a Bill to provide for the setting up of a National Flood and Drought Control Board to control flood and drought and for matters connected therewith and incidental thereto.

The question was put and the motion was adopted.

DR. T. SUBBARAMI REDDY: Sir, I introduce the Bill.

(Ends)

THE PLAY SCHOOLS (REGULATION) BILL, 2017

DR. T. SUBBARAMI REDDY (ANDHRA PRADESH): Sir, I move for leave to introduce a Bill to regulate the functioning of play schools and for matters connected therewith or incidental thereto.

The question was put and the motion was adopted.

DR. T. SUBBARAMI REDDY: Sir, I introduce the Bill.

(Ends)

THE BAIL BILL, 2017

SHRI SUKHENDU SEKHAR RAY (WEST BENGAL): Sir, I move for leave to introduce a Bill to make provisions in relation to bail in

Uncorrected/ Not for Publication-15.12.2017

connection with criminal proceedings in the country and to ensure protection of personal liberty of the citizens and for matters connected therewith or incidental thereto.

The question was put and the motion was adopted.

SHRI SUKHENDU SEKHAR RAY: Sir, I introduce the Bill.

(Ends)

**THE CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL, 2017
(AMENDMENT OF ARTICLE 366)**

SHRI SUKHENDU SEKHAR RAY (WEST BENGAL): Sir, I move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.

The question was put and the motion was adopted.

SHRI SUKHENDU SEKHAR RAY: Sir, I introduce the Bill.

(Ends)

**THE VEDIC EDUCATION (COMPULSORY TEACHING IN
EDUCATIONAL INSTITUTIONS) BILL, 2017**

श्री नारायण लाल पंचारिया (राजस्थान): महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि शैक्षिक संस्थाओं में वैदिक शिक्षा के शिक्षण को अनिवार्य बनाए जाने और

Uncorrected/ Not for Publication - 15.12.2017

तत्संसक्त तथा उसके आनुषंगिक विषयों का उपबंध करने के लिए विधेयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति दी जाए।

The question was put and the motion was adopted.

श्री नारायण लाल पंचारिया: महोदय, मैं विधेयक को पुरःस्थापित करता हूँ।

(समाप्त)

**THE SOLAR POWER (DEVELOPMENT, PROMOTION AND
MANDATORY USE) BILL, 2017**

श्री नारायण लाल पंचारिया (राजस्थान): महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि परंपरागत ऊर्जा को बचाने तथा पर्यावरण का संरक्षण करने के उद्देश्य से सौर ऊर्जा उत्पादन के विकास तथा संवर्द्धन एवं भवनों में सौर ऊर्जा के अनिवार्य प्रयोग तथा तत्संसक्त और उसके आनुषंगिक विषयों का उपबंध करने के लिए विधेयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति दी जाए।

The question was put and the motion was adopted.

श्री नारायण लाल पंचारिया: महोदय, मैं विधेयक को पुरःस्थापित करता हूँ।

(समाप्त)

THE JUDICIAL STATISTICS BILL, 2017

श्री नारायण लाल पंचारिया (राजस्थान): महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि न्यायिक सांख्यिकी के एकत्रण और उनके प्रकाशन के लिए न्यायिक सांख्यिकी

प्राधिकरणों का गठन करने तथा तत्संसक्त और उसके आनुषंगिक विषयों का उपबंध करने के लिए विधेयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति दी जाए।

The question was put and the motion was adopted.

श्री नारायण लाल पंचारिया: महोदय, मैं विधेयक को पुरःस्थापित करता हूँ।

(समाप्त)

(Followed by KLS/10)

KLS/VNK/10-2.45

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What is this? ... (Interruptions).. I have to take up the Bill for consideration. ...(Interruptions)... Mr. Dhoot is not there. ...(Interruptions).. Is Mr. Rajkumar Dhoot present? ...(Interruptions)...

श्री नरेश अग्रवाल: सर, हाउस ऑर्डर में नहीं है।...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You don't want Private Members' Business. ...(Interruptions)... The House is adjourned up to 3.00 p.m.

...

**The House then adjourned at
forty-six minutes past two of the clock.**